

खबरों की दुनिया

एक नजर

गोल्ड मेडल जीत के साथ बंधु स्कूल के लाडले का तीरंदाजी मे राज्य स्तर पर हुआ चयन



खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। बंधु पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के होनहार छात्र अंकित धायल कक्षा 11 का 69वीं 17 वर्ष आयु वर्ग तीरंदाजी खेल प्रतियोगिता मे जिले स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने कोच विकास सर व आर्यन सर का नाम

रोशन किया है इसके साथ ही माता-पिता हर लाल सिंह धायल किरण देवी पी टी आई जी नवीन झाड़ुडिया संस्था के चेयर मैन सुरेश मावलिस्था प्रधानाचार्य बंशी लाल कुड्डी ने छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है छात्र की इस सफलता पर बंधु शिक्षण संस्थान मे खुशी की लहर है।

बाबा मोहनदास महाराज का श्राद्ध दिवस मनाया जायेगा आज



खबरों की दुनिया

सालासर। संत शिरोमणि बाबा मोहनदास महाराज का आज श्राद्ध दिवस मनाया जायेगा। श्रीकांत पुजारी व किशन पुजारी ने बताया कि बाबा मोहनदास महाराज कि भक्ती से प्रसन्न होकर बालाजी महाराज का सालासर आये थे। बाबा मोहनदास का श्राद्ध दिवस एक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। त्रयोदशी के शुक्रवार के दिन आयोजित इस कार्यक्रम में एक

लाख श्रद्धालु सालासर पहुँचते है। सुबह से भक्तों का आना शुरु हो जाता है। बाबा मोहन दास महाराज की शराब दिवस पर प्रसाद के लिए हजारों श्रद्धालु पहुँचते हैं और प्रसाद पाकर निरोगी होने की कामना करते हैं। नागरमल पुजारी ने बताया कि श्राद्ध कार्यक्रम को लेकर एक दिन पहले ही प्रसाद बनाने का काम शुरू कर दिया जाता है। बबलू पुजारी, सुरेश पुजारी, नितिन पुजारी, हेमराज पुजारी, कुलदीप पुजारी लगातार प्रसाद बनाने में लगे हुए है।

पुजारी सेवक महासंघ का द्वितीय प्रांतीय महाअधिवेशन आज



तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। कस्बे की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी में पुजारी सेवक महासंघ का द्वितीय प्रांतीय महा अधिवेशन आज जयपुर वालों की धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। महाधिवेशन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया जिसमें प्रांतीय संरक्षक महंत मोहन सिंह चौहान दास महाराज, महामंत्री रतनलाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण शर्मा, कोषाध्यक्ष रामनिवास तिवारी, उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, गिर्राज

माटोलिया एवं कार्यालय मंत्री विश्वनाथ शर्मा, सीकर जिलाध्यक्ष शंकर लाल शर्मा व उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद शर्मा सहित अनेक पुजारियों को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक को लेकर पुजारी सेवक महासंघ के द्वितीय प्रांतीय महा अधिवेशन मे पुजारियों के सामने आ रही समस्याओं को लेकर मंथन होगा। संगठन के समस्त पुजारी कार्यकर्ता, तहसील, जिला, संभाग एवं प्रदेश कार्यकारिणी के तमाम पदाधिकारियों की बैठक सुबह जयपुर धर्मशाला में कार्य विभाजन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई और 3:00 बजे संगठन द्वारा चिन्हित स्थान से पुजारी ध्यानाकर्षण रैली आयोजित की गई।

विनायक स्कूल ने जीते 17 पदक

खबरों की दुनिया

सीकर। शास्त्री नगर स्थित विनायक स्कूल के छात्रों द्वारा 69वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 पदक प्राप्त किए। संस्था के खेल प्रभारी भवानी सिंह ने बताया कि मैट्रिक्स हाई स्कूल में 17 और 19 वर्ष के 69वीं विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम भार वर्ग में हिमांशु गोरा, 52 किलोग्राम भार वर्ग में गरिमा शर्मा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। मुख्तान कुमावत, भावना चौधरी, शिवी, रितिका, अर्पित कुमावत, भरत सिरावता, भोमाराम ने रजत पदक एवं कांस्य पदक में केशव शर्मा, नरेंद्र, निशांत सिंह राठौड़, हितेश ढाका, रिया बिखियाल, गुंजन सोनी, खुशी सैन, लक्षिता सैन रहे। छात्रों के पदक



जीतने पर संस्था में खुशी का माहौल रहा। संस्था निदेशक रमेश शास्त्री, संस्था प्रधान विजय वशिष्ठ, एकेडमिक हेड शिखा शर्मा एवंसहायक खेल प्रभारी माया सैनी ने छात्रों की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



रावणा राजपूत समाज की ओर से 23 सितम्बर को सीकर में प्रधानजी का जाव में होगा कार्यक्रम का आयोजन

मेजर दलपतसिंह शेखावत बलिदान दिवस कार्यक्रम का जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया पोस्टर का विमोचन

खबरों की दुनिया

सीकर। हाईफा हीरो मेजर दलपतसिंह शेखावत के बलिदान दिवस पर आयोजित श्रद्धांजति सभा एवं वीरांगना सम्मान समारोह तथा सामाजिक जागृति सम्मलेन के पोस्टर का विमोचन गुरूवार को जिला कलक्टर मुकुल शर्मा व पुलिस अधीक्षक प्रदीप नूनावत ने किया। इसके साथ दांतारामगढ़ विधायक वीरेंद्र सिंह ने भी पोस्टर का विमोचन किया।

रावणा राजपूत समाज व आयोजन समिति के संयोजक एडवोकेट हनुमान सिंह पालवास ने बताया कि समारोह सम्मान समारोह 23 सितम्बर को सीकर के राणी शक्ति रोड स्थित प्रधानजी का जाव में



मेजर दलपत सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजति सभा एवं वीरांगना सम्मान समारोह तथा सामाजिक जागृति सम्मलेन का आयोजन किया जायेगा। आयोजन में शामिल होने के लिये सामाजिक



दांतारामगढ़ विधायक वीरेंद्र सिंह से मिलकर आमंत्रित किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने बताया कि मेजर दलपतसिंह शेखावत ने अपनी

शहादत देते हुये इजराइल के हाइफा शहर को अपने अदम्य साहस व शौर्य के बल पर तुर्की सेना के कब्जे से आजाद करवाया था। मेजर दलपसिंह शेखावत की शहादत भारत के युवाओं को प्रेरणा व

देशभक्ति का संदेश देती है। इस दौरान विजेन्द्र सिंह रावणा, कान सिंह लढ़ाना, मंडा सरपंच नेम सिंह चौहान, बलबोर सिंह भगतपुर, गोविंद सिंह चौहान, गजानंद सिंह, नंदू सिंह मऊ आदि मौजूद रहे।

विशाल नृसिंह लीला समिति की बैठक आयोजित

शरद पूर्णिमा पर आयोजित होगी नृसिंह लीला, दक्षिण भारतीय शैली में होने वाले नृत्यों के लिए हुए नाम तय

खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। विशाल नृसिंह लीला समिति की बैठक राम मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में आगामी शरद पूर्णिमा के अवसर पर 6 अक्टूबर को खाटूश्यामजी के मुख्य बाजार में नृसिंह लीला कराने का निर्णय लिया गया।

इसके साथ ही सम्पूर्ण रात्रि में भगवान विष्णु के 24 अवतार के दक्षिण भारतीय शैली में होने वाले नृत्यों में भूमिका निभाने वाले युवाओं का अंतिम चयन किया गया तथा सभी पात्रों को पूर्वाभ्यास व पोशाक तैयार करने की जिम्मेदारी दी।



समिति के अंशु शर्मा ने बताया कि लीला का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष वरूण माहेश्वरी फीता काट कर करेंगे।

बैठक के दौरान सदस्यता शुल्क लेने के साथ नवीन सदस्य भी बनाए गए। बैठक में मानवेन्द्र सिंह

चौहान, रवि सिंह चौहान, चेतन पटवारी, सोनू तुलछनी, मुरारी जोशी, मनीष, सुनिल कुमावत, बंटी सैन, प्रियांशु सरोज, यश तिवारी, विक्रंजी जागिड़, पवन महंत जीतू, शेकू, राजेश, गणेश, हैप्पी सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

टेबल टेनिस 17 वर्ष में प्रिंस एकेडमी को विजेता का खिताब

ताइक्वांडो, वुशु एवं टेबल टेनिस में 19 स्वर्ण पदक सहित कुल 70 पदक भी जीते

खबरों की दुनिया

सीकर। 69वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रिंस एजुहब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेबल टेनिस 17 वर्ष प्रतियोगिता में विजेता का खिताब जीता है। साथ ही टेबल टेनिस व ताइक्वांडो की विभिन्न स्पर्धाओं में उपविजेता की तीन ट्रॉफी भी जीती है। प्रिंस के खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो, वुशु व टेबल टेनिस की प्रतियोगिताओं में 19 स्वर्ण पदक सहित कुल 70 पदक भी जीते हैं।

नीमकाथाना में आयोजित टेबल टेनिस 17 वर्ष छात्र वर्ग में प्रिंस एकेडमी ने विजेता का खिताब जीता है। साथ ही टेबल टेनिस 19 वर्ष छात्र एवं छात्रा दोनों वर्गों में प्रिंस एकेडमी ने उपविजेता का खिताब भी जीता है। टेबल टेनिस की विभिन्न स्पर्धाओं में प्रिंस के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण, 9 रजत एवं 6 कांस्य पदक सहित 21 पदक जीते हैं। सीकर में आयोजित ताइक्वांडो 19 वर्ष छात्र



प्रतियोगिता में प्रिंस एकेडमी ने उपविजेता का खिताब जीता है। ताइक्वांडो में प्रिंस ने 10 स्वर्ण, 8 रजत एवं 16 कांस्य पदक सहित 34 पदक जीते हैं। इसी प्रकार वुशु प्रतियोगिता में प्रिंस ने 3 स्वर्ण, 6 रजत एवं 6 कांस्य पदक सहित 15

पदक जीते हैं। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर निदेशक जोगेंद्र सुण्डा, चेयरमैन ड. पीयूष सुण्डा एवं मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश हिल्लन ने विजेता खिलाड़ियों को बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी है।

शिविर में हुई बीपी, शुगर, हाइपर टेंशन, एनीमिया की जांच स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के जिले के चिकित्सा संस्थानों में लगे शिविर

खबरों की दुनिया

सीकर। स्वस्थ भारत विकसित भाग की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य ये माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुरू किए गए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के दूसरे दिन गुजरात को जिले के चिकित्सा संस्थानों में लगे शिविरों में आमजन लाभान्वित हुए। शिविर में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजीवसि, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पीएचसी के तहत जिले के सभी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पीएचसी, अरबन पॉजीटिव रोगियों पाए गए रोगियों का उपचार शुरू किया गया। शिविर में टीबी मुक्त भारत तथा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत टीबी रोगियों को निश्व पोषण किट वितरित किए गए। इस मौके पर आमजन को स्वास्थ्य विभाग की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, माँ वाउचर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना, लाडो योजना सहित विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं की स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जानकारी दी गई तथा इससे संबंधित प्रचार प्रसार सामग्री उपलब्ध करवाई गई।



शिविर में अनेक प्रकरणों का निस्तारण, शहरी सेवा शिविर में आम जन को मिल रहा है लाभ



खबरों की दुनिया

सीकर। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित किया जा रहे है शहरी सेवा शिविर गुरूवार को नगर परिषद द्वारा उसके देवड़ा स्कूल में दो दिवसीय वार्ड संख्या 31,32,33,34,35 के शिविर आयोजित किये गये। नगर परिषद आयुक्त फतेहपुर अनिता ने बताया की वार्ड में लोगों ने लिखित में अपनी समस्या बताई। शिविर मे नगर परिषद सहित चिकित्सा विभाग, खाद्य विभाग, विधुत विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास आदि विभागों द्वारा आमजन से प्राप्त विवादों शिकायतों का निस्तारण कैम्प के दौरान किया गया।

शिविर के दौरान नगर परिषद द्वारा आमजन से स्ट्रीट लाईट ठीक करवाने से संबंधित 30 आवेदन प्राप्त हुए तथा 150 स्ट्रीट लाईटों को

ठीक किया गया। कृषि भूमि अन्तर्गत 02 आवेदन प्राप्त हुये एवं 02 पट्टे वितरित किये गये जिनमें 88496 रुपये परिषद कोष में प्राप्त हुये, 69-क के अन्तर्गत 02 आवेदन प्राप्त किये गये। फायर एनओसी का 01 प्रकरण का निस्तारण किया जाकर फायर अनापति प्रमाण जारी किया गया। गृहकर के 02 आवेदन प्राप्त किये गये। कैम्प क्षेत्रफल का पेचवर्क किया गया एवं 962 मीटर नाली सफाई का कार्य किया गया। जन्म-मृत्यु व विवाह प्रमाण पत्र के लिए आमजन से 31 आवेदन प्राप्त हुये जिनका निस्तारण कैम्प अवधि में किया जाकर प्रमाण पत्र वितरित किये गये। शिविर में सभापति मुस्ताक अहमद नजमी, पार्षद राजु देवी जागिड़, पार्षद दिनेश बियाला, पार्षद प्रतिनिधि रामावतार रंथेला,अशोक बोचीवाल उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वार्ड संख्या 31, 32, 33, 34, 35 का शिविर एस.के.देवड़ा स्कूल में आयोजित होगा।

श्याम नगरी में 21 सितंबर से शुरू होगी 11 दिवसीय भव्य रामलीला

तैयारीयो को दिया अंतिम रूप

खबरों की दुनिया

खाटूश्यामजी। श्याम नगरी में श्रीराम कला मंडल संस्थान के तत्वावधान में 21 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 11 दिवसीय भव्य रामलीला का आयोजन किया जाएगा। इस रामलीला का मंचन कस्बे के कबूतर चौक स्थित प्राचीन शिव मंदिर के सामने होगा। संस्थान के महामंत्री राजेंद्र सरोज ने बताया कि आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। संस्थान पदाधिकारी एवं सदस्य दिन-रात जुटकर मंच, बैठक, सफाई, प्रचार-प्रसार सहित अनेक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी अलग-अलग टीमों को सौंपी गई है। रामलीला में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत,



शत्रुघ्न, हनुमान, रावण, मेघनाद, विभीषण, जटायु सहित अनेक पात्रों की प्रभावी झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। इस मंचन में दर्शकों को राम जन्म, रावण जन्म, राम-सीता विवाह, राम का अयोध्या गमन, सूर्यनवा नाक काटन, सीता हरण, हनुमान-सीता मिलन, राम-भरत मिलाप, संजीवनी पर्वत प्रसंग और रावण वध जैसे अनेक प्रसंग देखने को मिलेंगे।

25 सितंबर को वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे को आकस्मिक अवकाश घोषित

खबरों की दुनिया

सीकर। 25 सितंबर को वर्ल्ड फार्मासिस्ट दिवस समारोह है जिला स्तर पर मनाया जा रहा है। इस समारोह में भाग लेने वाले फार्मासिस्ट कर्मचारियों को एक दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश दिया जाएगा। साथ ही सभी प्रशासनिक अधिकारियों को इस कार्यक्रम की वजह से किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होने देने को लेकर भी विशेष दिशा निर्देश दिए हैं। जिला प्रवक्ता मुरारी लाल चौधरी ने बताया कि फार्मासिस्ट दिवस जिले के तमाम फार्मासिस्टों के लिए एक गौरवान्वित कर देने वाला पल है। इस दिन रात्रस्थान सरकार द्वारा विशेष आकस्मिक अवकाश वीथीकृत करना फार्मासिस्टों के लिए और गर्व की बात है। जिला अध्यक्ष श्योजी राम हरितवाल ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। विश्व फार्मासिस्ट दिवस 25 सितंबर को राजकीय श्रीकल्याण चिकित्सालय सीकर में आयोजित किया जाएगा।



खबरों की दुनिया

एक नज़र

शारदीय नवरात्रा में सेवा भारती द्वारा आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम को लेकर समिति का किया गठन



खबरों की दुनिया

टोंक। सेवा भारती जिलाध्यक्ष बाबू लाल शर्मा की अध्यक्षता में सेंट सोलंजर शिक्षा समिति, तालकटोरा कार्यालय में शारदीय नवरात्रा में कन्या पूजन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। कन्या पूजन कार्यक्रम के लिए समिति गठित कर संयोजक हर्बंश शर्मा, सहसंयोजक बजरंग लाल यादव, सदस्य सूरज साहू, बाबू लाल वर्मा, रामप्रसाद शर्मा को नियुक्त किया गया। इसके साथ ही दिनांक 22 से 30 सितम्बर तक आयोज्य सुपोषित भारत अभियान को लेकर रूपरेखा तय की गई,

इसकी रूपरेखा और क्रियान्वयन के लिए शशि प्रभा कटियार एवं गीता को नियुक्त किया गया। अध्यक्ष बाबू लाल शर्मा ने कार्य विस्तार को लेकर चर्चा करते हुए सभी कार्यकर्ता को कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का शताब्दी वर्ष होने के कारण हमें प्रत्येक सेवा बस्ती में सेवा कार्य प्रारम्भ करना है, जो बस्तियां वंचित हैं, उनमें भी शीघ्र कार्य शुरू करना है। इस अवसर पर रवि शर्मा, रोहिताश्व कुमावत, नरेन्द्र जागिड़, लड़ू किराड़, रतन लाल नामा, राधेश्याम शर्मा, अरविन्द शर्मा, कन्हैया कीर, सत्यनारायण नामा, गोविन्द शरण गुप्ता, जगदीश साहू आदि सदस्य मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रा घट स्थापना मुहूर्त योग

खबरों की दुनिया

टोंक। मनु ज्योतिष एवं वास्तु शोध संस्थान टोंक के निदेशक बाबूलाल शास्त्री ने बताया कि आश्विन शुक्ला प्रतिपदा 22 सितम्बर सोमवार को शारदीय नवरात्रा का शुभारम्भ हो रहा है। घट स्थापना देवी का आह्वान के लिए देवी पुराण एवं तिथि तत्व में प्रातः काल प्रति पदा तिथि एवं द्वि-स्वभाव लग्न में घट स्थापना करना सर्वश्रेष्ठ बताया गया है तथा चित्रा नक्षत्र एवं वैधृति योग को वर्जित बताया गया है। 22 सितम्बर को सुयोदय सुबह 6:19 बजे होगा एवं एकम तिथि अर्द्ध रात्रि बाद 26:56 बजे तक रहेगी, उतराफाल्गुनी नक्षत्र दिन में 11:24 बजे तक, उपरांत हस्त नक्षत्र रहेगा राशि कन्या, नक्षत्र स्वामी सूर्य एवं चंद्रमा है एवं कन्या राशि के स्वामी बुध है इस वर्ष नवरात्रा सोमवार से शुरू हो रहे है अतः इसका वाहन हाथी होगा गज पर आना सुख-समृद्धि का प्रतीक अच्छे समय का संकेत देता है। शास्त्री ने बताया कि देवी पुराण में चित्रा नक्षत्र एवं वैधृति योग इन दोनों को वर्जित बताया गया है। अतः घट स्थापना हेतु द्वि स्वभाव लग्न कन्या राशि एव अमृत का चोर्घडिया सुबह 06:19 बजे से सुबह 07:49 बजे तक शुभ का चोर्घडिया सुबह 09:19 से 10:49 बजे तक अभिजित मुहूर्त दिन में 11:55 बजे से दोपहर 12:43 बजे तक है।

चौघडिया अनुसार चर का दोपहर 01:49 से 03:19 तक लाभ का दोपहर 03:19 से 04:49 एवं अमृत का सायंकाल 06:19 बजे

नगर पालिका के शहरी शिविर में ज्योति कॉलोनी के लोगों को भी मिलेंगे पट्टे

खबरों की दुनिया

देवली। देवली नगर पालिका में आयोजित शहरी शिविर में हनुमान नगर क्षेत्र की ज्योति कॉलोनी के लोगों को भी पट्टे जारी किए जाएंगे। पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा ने बताया कि शहरी सेवा शिविर एक महीने तक चलेगा, जिसमें ज्योति कॉलोनी के लोग पट्टों के लिए आवेदन कर सकेंगे। यहां स्वीकृत प्लान वाले भूखंडों के पट्टे 17 अक्टूबर तक जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, नियमानुसार आवेदन करने वालों को शुल्क में छूट भी दी जाएगी। गौरतलब है कि ज्योति कॉलोनी में स्वीकृत प्लान के अनुसार तीस फीट रोड़ पर ही पट्टे जारी किए जाएंगे। अगर किसी का भूखंड 20 फीट रोड़ पर है तो उसके प्लाट की साइज में से 5 फीट कम का पट्टा दिया जाएगा।

जिला प्रमुख ने किया ग्राम सेवा शिविर का शुभारंभ, अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही के दिए निर्देश

खबरों की दुनिया

टोंक। जिला प्रमुख सरोज बसंत ने सेवा पर्व पखवाड़ा अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर का किया शुभारंभ टोंक। जिला प्रमुख सरोज बसंत ने पंचायत समिति टोंक में ग्राम पंचायत लाम्बा एवं दाखिया में सेवा पर्व पखवाड़ा अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर का शुभारंभ किया। जिला प्रमुख सरोज बसंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रारम्भ शिविरो में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा सबका साथ सबका विकास मूल मंत्र से सभी ग्रामीणों को लाभ प्रदान किया जा रहा है।

जिला प्रमुख सरोज बसंत ने कहा कि शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, वन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, उर्जा, कृषि, आयोजना, जिला अग्रणी बैंक, जनजातीय एवं क्षेत्री विकास, खाद्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, श्रम, आपदा प्रबन्धन एवं सहयता एवं जन संसाधान विभाग



से संबंधित समस्त कार्य किये जा रहे है। शिविर में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से प्राप्त प्रार्थना पत्र अभ्यावेदनों को शिविर में ही निस्तारण करे ताकि परिवादी को लाभ मिल सके।

ग्राम पंचायत लाम्बा के शिविर विधुत, जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी, बीसलपुर पेयजल योजना, वन,

कृषि, खाद्य एवं रसद एवं ग्राम पंचायत दाखिया में राजस्व, जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी, बीसलपुर पेयजल योजना वन, पशुपालन, विधुत, खाद्य एवं रसद विभाग के शिविर में अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु प्रभारी अधिकारी शिविर मावेन्द्र जायसवाल तहसीलदार टोंक एवं सविता राठौड विकास अधिकारी

पंचायत समिति टोंक को निर्देशित किया गया।

जिला प्रमुख ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शिविर प्रभारियों को निर्देशित किया कि शिविर में जिम्मेदार अधिकारी भाग लेवे किसी सहायक को नहीं भेजे जिससे शिविर में समस्या को सामाधान नहीं हो पाता है।

जिला प्रमुख सरोज बसंत ने

ग्राम पंचायत लाम्बा द्वारा शिविर में निर्मित 25 पट्टे एवं ग्राम पंचायत दाखिया द्वारा शिविर में निर्मित 30 पट्टे लाभार्थियों को वितरित किये गये जिसमें शिविर में उपस्थित तुलसीलाराम जाट, रामफूल बैरवा, मोहनलाल पंचाल, रामस्वरूप बैरवा, ममता रैगर, धारा सिंह, बनवारी बैरवा, हनुमान बैरवा तथा राजस्व विभाग द्वारा ग्राम पंचायत

लाम्बा में काफी समय से लंबित नामान्तरण शुद्धिकरण का भी कार्य किया गया तथा 3 व्यक्तियों को शिविर में खाद्य सुरक्षा में मंजू खारवाल, सुमन जाट आदि को जोड़ा गया। कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत दाखिया के शिविर में 28 लाभार्थियों को बीज का मिनी किट एवं श्रम विभाग द्वारा 5 लाभार्थियों का टूल किट स्वीकृत किया गया। शिविर में मानवेन्द्र जायवास तहसीलदार टोंक, सविता राठौड विकास अधिकारी पंचायत समिति, टोंक, छोटलाल जाट अतिरिक्त विकास अधिकारी पंचायत समिति टोंक, कैलाशचन्द्र शर्मा प्रशासक ग्राम पंचायत लाम्बा, संतरा देवी प्रशासक ग्राम पंचायत दाखिया प्रियंका साहू ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत दाखिया, रामदेव लुहार सहायक विकास अधिकारी चौधमल चन्देल ग्राम विकास अधिकारी आदि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

‘आपणो गरबो 2.0’ महोत्सव का पोस्टर हुआ विमोचित

खबरों की दुनिया

टोंक। टोंक शहर एक बार फिर भव्य सांस्कृतिक उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। युवाओं की टीम द्वारा आयोजित ‘आपणो गरबो 2.0’ का पोस्टर सर्किट हाउस में धूमधाम से विमोचित किया गया। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन आगामी 28 सितंबर को शहनाई मैरिज गार्डन, टोंक में शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होगा। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन टोंक शहर में एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान स्थापित करेगा, जिसमें सनातन धर्म और परंपराओं के गौरवपूर्ण स्वरूप को प्रस्तुत किया जाएगा।

इस गरबा महोत्सव में- 108 भव्य दीपकों से महारत्नी, 56 भोग की विशेष प्रस्तुति, पंजाबी ढोल की गूंज और भव्य आतिशबाजी-पारंपरिक संगीत, नृत्य और लाइट परफॉर्मेंस के साथ सजीव सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर पार्षद बादल साहू ने जानकारी देते हुए कहा, युवाओं के सहयोग से इस बार भी एक भव्य डांडिया नाट्य की तैयारी की जा रही है। यह



आयोजन टोंक शहर को सांस्कृतिक ऊर्जा और सामूहिक एकता का अनुभव कराएगा। ‘आपणो गरबो 2.0’ केवल एक डांडिया नाट्य नहीं बल्कि नवरात्रि की सांस्कृतिक धरोहर और सद्भावपूर्ण समरसता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में विजय चौधरी,

ईलू पाटनी, हर्षित मित्तल, अंकुर गोयल, परितोष जैन, हेमंत आज़ाद, राज यादव, दश, परीक्षित साहू, योगेंद्र कुमावत, अनिल वर्मा, ललित सैनी, मनराज मीणा, द टोंक स्क्वाड, विशाल जांगिड़, मोहित वैष्णव, जीतू, विशाल जांगिड़, विशाल सैनी, विनोद सैनी सहित शहर के कई गणमान्य और युवा साथी मौजूद रहे।

बजरी वाहनों के स्टेट हार्डवे पर जाम से निजात दिलवाने की मांग

खबरों की दुनिया

देवली। हनुमान नगर क्षेत्र के कोटा-अजमेर स्टेट हार्डवे पर मोरला चौराहे देवली बाईपास से धुवाला चौराहे तक बजरी भरने के लिए खड़े ट्रकों के चलते रोजाना लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी जहाजपुर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन ट्रकों की वजह से आवागमन में परेशान होती है, वहीं दुर्घटना का भी हमेशा अंदेश बना रहता है। हार्डवे के नजदीकी धुवाला, मुंशीपुरा, बारला पोलिया और ऊंचा गांव के निवासियों ने ज्ञापन में बताया कि बजरी वाहनों ने हार्डवे के आधे हिस्से पर कब्जा कर रखा है, जिससे ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि इस स्थिति के चलते स्थानी बच्चों को स्कूल पहुंचने में देरी हो रही है, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में बाधा आ रही है, और मजदूरों को भी अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में मुश्किल हो रही है। ज्ञापन में बताया कि इन वाहनों से उड़ने वाली धूल से लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है और आंखों की समस्याएं बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि 20 सितंबर तक वाहनों को सड़क से नहीं



हटवाने पर 21 सितंबर को सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इस बीच कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस दौरान प्रेमराज मीना, जयराम मीना, चेतन मीना, अजय मीना, प्रधान मीना, यादराम, रामसिंह मीना, मुकेश आदि मौजूद थे। इससे पहले दर्जनों लोगों ने नारेबाजी कर विरोध भी व्यक्त किया। गौरतलब है कि यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है, जिसका समाधान जरूरी है।

टीएसपी उपयोजना के अंतर्गत किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं रात्रि चौपाल का हुआ आयोजन

अधिकतम उत्पादन के लिए अच्छी नस्ल का होना आवश्यक : डॉ. अरुण कुमार तोमर

खबरों की दुनिया

मालपुरा। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर तहसील मालपुरा जिला टोंक राजस्थान की टीएसपी उपयोजना में अविकानगर संस्थान के ऑर्टोडोटोरियम मे किसान वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे अविकानगर संस्थान मे दौसा जिले की 9 तहसीलो बहरावाडा (भराव, गुमानपुरा, कोरडाकला एवं अगावली), सिकराय (बसेड़ी, पाटन, घूमना एवं देडाबसेड़ी), बाँदीकुड़ (खेड़ी, मोटुका), बैजूपाडा (बैजूपाडा, बालाहेड़ा, झुठाहडा खुर्द), महवा (पालनहेड़ा), नांगल राजावतन (देहलास मलवास), लगणा (हिंगोटा), राहुवास (गोपालपुरा एवं डोलवास) तथा निर्जना (रायमलपुरा एवं शायमपुराकला) के 19 गांवों के चयनित जनजाति भेड़पालक एवं भेड़पालन इकाई के लिए चयनित जनजाति किसानो ने सुबह दौसा से खाना होकर जोबनेर



कृषि विश्वविधालय के क्षेत्रीय केंद्र डिग्री एवं अविकानगर के मालपुरा भेड़ एवं अविशान भेड़ फार्म का भ्रमण के साथ अवलोकन किया। संस्थान के ऑर्टोडोटोरियम मे निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर की अध्यक्षता मे किसान वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं रात्रि चौपाल का आयोजन मे विभागअध्यक्ष डॉ रणधीरसिंह भट्ट, डॉ सिद्धार्थ सारथी मिश्रा, डॉ जी गणेश सोनावणे एवं प्रभारी डॉ अंजय कुमार, डॉ लीलाराम गुर्जर द्वारा भी अपने विषय पर किसान के साथ चर्चा की।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम के



कोऑर्डिनेटर डॉ अमरसिंह मीना नोडल अधिकारी टीएसपी द्वारा आयोजन एवं मंच संचालन किया तथा डॉ रणजीत गोदारा को नोडल अधिकारी टीएसपी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कार्यक्रम मे अविकानगर के वैज्ञानिको, टीएसपी टीम सदस्यों, उत्तराखंड के कीशल विकास हेतु आये लोगो, प्रशिक्षण मे भाग ले रहे टोंक, बूँदी जिले के किसान एवं भेटरनरी इंटरनशिप स्टूडेंट्स ने भी भाग लेकर कार्यक्रम के लेक्चर्स से लाभान्वित होते हुए सहयोग किया। दौसा जिले के चयनित जनजाति किसान दो दिवसीय भ्रमण पर

अविकानगर संस्थान की पालन तकनीकियों को देखकर जानेगे एवं उनको नस्ल सुधार हेतु ब्रीडिंग मेल, भेड़पालन इकाई एवं पशु पालन आवश्यक सामानो का वितरण करेंगे। अविकानगर के टीएसपी उपयोजना कार्यक्रम मे सिकराय सरपंच संघ के अध्यक्ष विपिन मीना सरपंच घूमना एवं बहरावंडा सरपंच रामपूल मीना ने भाग लेकर संस्थान के निदेशक का आभार प्रकट किया। 60 से ज्यादा टीएसपी किसान का परिवहन संस्थान के कर्मचारी छुड्नलाल मीना एवं हनुमान सहाय मीना द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री से मिला वैष्णव समाज प्रतिनिधि मंडल



खबरों की दुनिया

देवली। राजस्थान वैष्णव, स्वामी व बैरागी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर समाज की विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। देवली निवासी पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष चेतन वैष्णव व भाजपा पूर्व मंडल

अध्यक्ष एडवोकेट सांवरिया बैरागी ने भी प्रतिनिधि मंडल में भाग लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने समाज की समस्या को शीघ्र दूर कर पुजारी वर्ग को मजबूत करने का आश्वासन दिया। उक्त प्रतिनिधि मंडल में संपूर्ण राजस्थान से समाज के लोग शामिल थे।

चार दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम का चल रहा आयोजन

जैविक तरीके से 56 प्रकार की सब्जियां पैदा करने की दी जानकारी



खबरों की दुनिया

मालपुरा। सिकोईडिकोन संस्था द्वारा 17 से 20 सितंबर तक किसान सेवा समिति का सवाईमाधोपुर, गोयल ग्रामीण विकास संस्थान कोटा, शाहबाद का 4 दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मालपुरा, माधोराजपुरा, शिलकी डूंगरी एवं निवाई से 46 किसानों ने भाग लिया। मालपुरा शाखा प्रभारी प्रहलाद जाट ने बताया कि प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस किसानों ने गोयल ग्रामीण विकास संस्थान जाखोड़ा कोटा का शैक्षणिक भ्रमण किया जिसमें मोहित सुमन व महावीर द्वारा यहां पर की जा रही जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मोहित सुमन ने किसानों को यहां पर की जा रही जैविक तरीके से 56 प्रकार की सब्जियों की जानकारी देते हुए बताया कि सब्जियों के लिए बीज उपचार कीटनाशक दवाइयां, पोषक तत्व सभी यही संस्था में जैविक विधि से

तैयार किया जाता है। संस्था में वर्तमान में 100 प्रकार से अधिक किस्म के पौधे लगाए हुए हैं जिनमें से कुछ पौधों की औषधियां तैयार की जाती है। महावीर ने इकोनामिक मॉडल, पशुपालन, वार्षिक आहार वाटिका, नर्सरी, कपोस्ट के रूप में सरल कपोस्ट किस्म प्रकार से बनाया जाता है। सरल संजीवनी के रूप में गाय के ताजा गोबर का उपयोग किस प्रकार किया जाता है व पौधों की ग्रोथ के लिए गोमूत्र, चूना का स्प्रे सभी पेड़ पौधों में अच्छी बढवार व पीलेपन को दूर करने किस प्रकार प्रयोग में लाया जाता है एवं अन्य उत्पादों के बारे में जानकारी दी। संस्था से माधोराजपुरा शाखा प्रभारी किशन जाट ने सभी सहभागियों को बताया कि जो अपने यहां सिख कर जा रहे हैं उसे अपने स्तर पर अपनाना चाहिए ताकि यह शैक्षणिक भ्रमण सार्थक बन सके। सिकोईडिकोन मालपुरा से प्रहलाद जाट व शिलकी डूंगरी से भजन सैन ने शैक्षणिक भ्रमण में भाग लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, छण्ड प्रथम, जयपुर

सी-ब्लॉक, बेसमेंट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-ब्लॉक, जयपुर-302005 (राज.)। फोन: 0141-2229737

क्रमिक: 1359

ई-निविदा सूचना संख्या: 45/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर, कोटपुतली - बहरोड़ एवं टोंक जिले में रु. 356.20 लाख के 7 सिलिल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/राज्य सरकार/केंद्र सरकार के अन्धकृत संगठनों/केंद्रीय लोक निर्माण विभाग/डक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी सर्वेक्षकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के सर्वेक्षकों के समक्ष हो, से निर्धारित प्रश्न में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in, <http://eproc.crajasthan.gov.in> व विभागीय वेब साईट <http://rajswasthya.nic.in> पर देखा जा सकता है।

UBN- 1.NRH2526WSOB01048, 2.NRH2526WSOB01049, 3.NRH2526WSOB01050

4.NRH2526WSOB01051, 5.NRH2526WSOB01052

6.NRH2526WSOB01053, 7.NRH2526WSOB01054

अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड प्रथम, जयपुर

DIPR/C/13436/2025

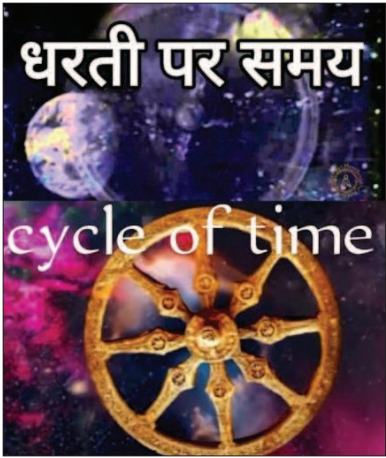
वक्त और राजनीति का पहिया- वक्त की अनंत शक्ति-राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में एक गहन विश्लेषण

राजनीति में वक्त का महत्व बढ़ जाता है क्योंकि सत्ता, नेतृत्व और जनमत समय की धाराओं पर ही टिका रहता है

वक्त ने कई बड़े नेताओं, दलों और विचारधाराओं को शिखर तक पहुँचाया और फिर उसी वक्त ने उन्हें ज़मीन पर ला दिया



वैश्विक स्तरपर मानव इतिहास गवाह है कि वक्त कभी किसी का स्थायी साथी नहीं रहा।वक्त हमेशा से मनुष्य की समझ और नियंत्रण से परे रहा है। यह किसी का सगा नहीं होता, यह न रुकता है और न ही किसी के लिए ठहरता है। राजनीति में वक्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि सत्ता,नेतृत्व और जनमत समय की धाराओं पर ही टिका रहता है। आज जब हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के हालात देखते हैं, तो साफ़ प्रतीत होता है कि वक्त ने कई बड़े नेताओं, दलों और विचारधाराओं को शिखर तक पहुँचाया और फिर उसी वक्त ने उन्हें ज़मीन पर ला दिया। यही कारण है कि वक्त का पहिया हमेशा करवट बदलता रहता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गाँदिया महाराष्ट्र ने अपने जीवन में देखा हूँ कि जो साम्राज्य कभी अजेय माने जाते थे, वे धराशायी हो गए। जो नेता कभी अमर समझे जाते थे, वे इतिहास के पन्नों में फीके पड़ गए। राजनीति और सत्ता का हर खेल वक्त की ही मेहरबानी या बेरुखी पर आधारित है। वर्तमान राष्ट्रीय और



हार देता है और न स्थायी जीता। (3) रूस-यूक्रेन युद्ध भी इस कथन को चरितार्थ करता है। व्लादिमीर पुतिन ने 2022 में युद्ध छेड़ था, उम्मीद थी कि कुछ ही दिनों में यूक्रेन रूस के सामने घुटने टेक देगा। लेकिन वक्त ने करवट ली और वहीं युद्ध रूस के लिए दलदल बन गया। रूस की अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों ने कमजोर किया और पुतिन की छवि पर भी गहरा असर पड़ा।(4) मध्य-पूर्व का परिप्रेक्ष्य- इजराइल-फ़िलिस्तीन संघर्ष भी दिखाता है कि वक्त कभी किसी का नहीं होता। कभी इजराइल को अजेय माना जाता था, लेकिन 2023-24 के गाज़ा संघर्ष ने उसकी छवि को धक्का पहुँचाया। वहीं फ़िलिस्तीनी मुद्दा जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दब चुका था, आज फिर से प्रमुख हो गया।

साथियों बात कर हम वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेताओं से विश्लेषण अनुभव के आधार पर करें

तो(1)भारत के नेताओं का उत्थान-पतन-भारत में लाल बहदुर शास्त्री का अचानक प्रधानमंत्री बनना और 'जय जवान जय किसान' के नारे से अमर हो जाना दर्शाता है कि वक्त का पहिया कब किसे उठाए, कदा नहीं जा सकता। वहीं इंदिरा गांधी का 'आयरन लेडी' बनना और फिर आपातकाल में गिरती लोकप्रियता दिखाती है कि सत्ता का समय सदा समान नहीं रहता। नरेंद्र मोदी का वर्तमान वक्त सुनहरा है। वे न केवल भारत बल्कि दुनियाँ के सबसे लोकप्रिय नेताओं में शुमार हैं। अभी उनका हाल ही में 17 सितंबर 2025 को 75वें जन्मदिवस पर दुनिया भर से शुभकामनाएँ आईं. आम जनता से लेकर अंतरराष्ट्रीय नेताओं और आध्यात्मिक गुरुओं तक, सभी ने प्रधानमंत्री को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की है। लेकिन राजनीति में यह स्थायी नहीं। विपक्ष का उभार, जनमत का बदलाव और वैश्विकपरिस्थितियाँ भविष्य में उनकी चुनौती बन सकती हैं। (2)अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उदाहरण-बराक ओबामा का दौर 'येस वी कैन' और उम्मीद का प्रतीक था। परंतु उसी अमेरिका ने 2016 में ट्रंप को चुना, जिन्होंने बिल्कुल उलटी नीतियाँ अपनाईं। यह वक्त के पहिए का सटीक उदाहरण है। ब्रिटेन में बोरिस जॉनसन कभी ब्रेकिंगट के नायक माने गए, लेकिन कोविड-19 कीअव्यवस्था और पार्टीगेट स्कैंडल ने उनका राजनीतिक करियर खत्म कर दिया। जर्मनी में एंजेला मर्केल का 16 साल का लंबा शासन खत्म हुआ और एक नए युग की शुरुआत हुई। यह दर्शाता है कि सत्ता कितनी भी मजबूत क्यों न लगे, वक्त का पहिया उसे बदल ही देता है।

साथियों बात अगर हम वक्त का पहिया कैसे

करवट बदल लेता है, अतीत और वर्तमान का तुलनात्मक विश्लेषण करें तो (1)भारत का बदलाव-1950 -70 के दशक का भारत गरीबी, विदेशी तकनीक और आयात पर निर्भर था। लेकिन 1991 की आर्थिक उदारीकरण की करवट ने भारत को बदल दिया। आज वहीं भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर है।नेहरू के भारत और मोदी के भारत में फर्क यही वक्त का खेल है। पहले पंचवर्षीय योजनाएँ राजनीति की धुरी थीं, आज डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया नए भारत की पहचान हैं।(2)विश्व राजनीति का बदलाव-(अ) सोवियत संघ कभी महाशक्ति था, लेकिन 1991 में उसका विघटन हो गया। अमेरिका, जो विघतनाम युद्ध में हार चुका था, वहीं शीत युद्ध का विजेता बन गया। चीन, जो 1970 में पिछड़ा हुआ था, आज अमेरिका के चुनौती दे रहा है।(ब)अरब देशों का तेल साम्राज्य भी वक्त के पहिए का शिकार हो रहा है। कभी पेट्रोलियम उनकी शक्ति था, आज नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन उनके प्रभुत्व को चुनौती दे रहे हैं।(स)आधुनिक युग में वक्त की गति-21वीं सदी में वक्त का बदलाव और तेज हो गया है। सोशल मीडिया, न्यूज़ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने राजनीति को पल-पल बदलने वाला खेल बना दिया है। आज एक ट्वीट या वायरल वीडियो किसी नेता का राजनीतिक करियर बना सकता है या बिगाड़ सकता है। 2024-25 के चुनावों में हमने देखा कि डिजिटल कैंपेन और सोशल मीडिया ट्रेंड्स ने नीतियों से बहुत ज्यादा असर डाला।

साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए का हम खुद अपने पुराने और आज के वक्त का ही

विश्लेषण कर ले कि कुछ साल या दशक पूर्व हम क्या थे और अब क्या हैं, तो हमें पता चल ही जाएगा कि वक्त कभी एक सा नहीं रहता, इतना ही नहीं अगर हम अपने ही समाज या पीढ़ियों का विश्लेषण करें तो हमें अंदाज लग जाएगा कि वक्त का पहिया कैसे घूमकर बदलते रहता है इसलिए ही बड़े बुजुर्गों का कहना हैं, समय-समय की बात है आज तुम्हारा समय है कल हमारा समय भी आएगा। हम हमारे शहर जिले राज्य या राष्ट्र की स्थिति देखें, तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, अपने को बड़े शहंशाह, तीरंदाज कहने मानने वाले लोगों को भी हमने लाचार, तारतार होते देखा होगा, जिनके पास बेशुमार, दौलत पावर था और सबकुछ खरीद सकते थे परंतु वक्त का पहिया ऐसा फिसला कि उनका पैसा, पावर सब कुछ जमींदरोज हो गया और पैसे पैसे को मोहताज हो गए, हमने सुना ही नहीं अपनी आंखों से देखा भी जरूर होगा या फिर हमें यह अपने उम्र के बढ़ते चढ़ाव पर देखने को जरूर मिल जाएगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राजजनीति में वक्त ही असली निर्णायक है। वक्त कभी किसी का सगा नहीं होता। यह शिखर को जमीन और जमीन को शिखर बना देता है। भारत, अमेरिका, रूस, चीन, यूरोप, मध्य-पूर्व-हर जगह यह सिद्धांत समान रूप से लागू होता है।नेताओं और राष्ट्यों को यह समझना चाहिए कि सत्ता और लोकप्रियता क्षणिक हैं। स्थायी केवल परिवर्तन है। इसीलिए यह याद रखना जरूरी है कि वक्त का पहिया हमेशा घूमता है और राजनीति का हर समीकरण उसी के हिसाब से बदलता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)



भारतीय समाज में परिवार की भूमिका जीवन के हर पड़ाव पर महत्वपूर्ण होती है। जब घर में नया जीवन जन्म लेता है, तब यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। प्रसव एक ऐसा समय है जब महिला शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद कमजोर होती है। उसे सिर्फ चिकित्सकीय सहायता ही नहीं, बल्कि गहरे स्तर पर देखभाल, सहारा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। परंपरागत रूप से यह जिम्मेदारी संयुक्त परिवारों में सास की मानी जाती थी, लेकिन बदलते दौर और सामाजिक संरचना के कारण यह भूमिका अब धीरे-धीरे माँ यानी नानी की ओर स्थानांतरित हो रही है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि प्रसव के बाद महिलाओं को अपनी सास की तुलना में अपनी माँ से कहीं अधिक देखभाल और सहयोग मिलता है।

यह तथ्य कई स्तरों पर सोचने को मजबूर करता है। एक ओर यह माँ और बेटी के रिस्ते की गहराई

प्रसवोत्तर देखभाल: माँ का साथ सास से ज्यादा कारगर

माँ की गोद में मिलती सुरक्षा, सास की भूमिका पर उठे सवाल

अध्ययन बताते हैं कि प्रसव के बाद महिलाओं की देखभाल करने में सास की तुलना में उनकी अपनी माँ कहीं अधिक सक्रिय और संवेदनशील रहती हैं। लगभग 70 प्रतिशत प्रसूताओं को नानी से बेहतर सहयोग मिला, जबकि मात्र 16 प्रतिशत को सास से सहायता मिली। यह बदलाव संयुक्त परिवारों के टूटने और आधुनिक सोच का परिणाम है। नानी का भावनात्मक जुड़ाव और मातृत्व का अनुभव बेटी के लिए सहारा बनता है। हालांकि सास की भूमिका कमजोर पड़ना पारिवारिक संतुलन के लिए चुनौती है। जरूरी है कि माँ और सास दोनों मिलकर जिम्मेदारी निभाएँ।

और भावनात्मक मजबूती को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि सास जैसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला इस प्रक्रिया में पीछे क्यों रह गई है। अध्ययन में पाया गया कि प्रसवोत्तर देखभाल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को उनकी अपनी माँ से सहयोग मिला, जबकि मात्र 16 प्रतिशत महिलाओं की देखभाल उनकी सास ने की। यह अंकड़ अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।

बेटी और माँ का रिश्ता हमेशा से भरोसे और आत्मीयता पर आधारित रहा है। प्रसव के बाद महिला अपने जीवन के सबसे नाजुक दौर से गुजरती है। उसका शरीर थका हुआ और कमजोर होता है, मानसिक रूप से वह असुस्था और चिंता का सामना करती है। ऐसे समय में वह सबसे पहले अपनी माँ के पास सहजता से जाती है। माँ न केवल उसकी तकलीफ को तुरंत समझती है बल्कि धैर्य और प्यार से उसका मनोबल भी बढ़ाती है। हर माँ ने मातृत्व का अनुभव किया होता है, इसलिए उसे पता होता है कि उसकी बेटी

में ही रहती थी और पूरे परिवार की महिलाएँ उसकी देखभाल करती थीं। सास इस देखभाल की मुख्य जिम्मेदार मानी जाती थी। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। आधुनिक बेटियाँ प्रसव के समय मायके चली जाती हैं। वहाँ नानी स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी संभाल लेती है। यह प्रथा समाज में इतनी गहराई से जड़ पकड़ चुकी है कि अब यह लगभग सामान्य मान ली जाती है।

यह बदलाव कई दृष्टियों से सकारात्मक भी है। प्रसव के बाद महिला को भावनात्मक सुरक्षा मिलना बहुत जरूरी है। जब उसके पास उसकी अपनी माँ होती है, तो उसे मानसिक सुकून मिलता है। कई शोध बताते हैं कि प्रसवोत्तर अवसाद का खतरा तब महिलाओं में कम होता है जिन्हें अपनी माँ से पर्याप्त सहयोग मिलता है। नानी के अनुभव का लाभ शिशु को भी मिलता है। शिशु को समय पर स्तनपान कराना, उसकी सफाई और टीकाकरण जैसे छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कामों में नानी की भूमिका बहुत कारगर साबित होती है। इस दृष्टि से देखा जाए तो यह प्रवृत्ति माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। जब सास की भूमिका कमजोर पड़ती है तो पारिवारिक संतुलन प्रभावित होता है। बहू और सास के रिस्ते में दूरी और बढ़ सकती है। यह दूरी सिर्फ देखभाल तक सीमित नहीं रहती बल्कि परिवार की सामंजस्यपूर्ण संस्कृति पर भी असर डाल सकती

है। आखिरकार सास भी खुद कभी इस प्रक्रिया से गुजरी होती है और उसके अनुभव की अहमियत को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अगर उसका अनुभव और स्नेह इस प्रक्रिया में शामिल न हो, तो यह न केवल उसके लिए निराशाजनक होता है बल्कि बहू और शिशु दोनों उस सहयोग से वंचित रह जाते हैं जो उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा दे सकता है।

यहाँ यह समझना जरूरी है कि प्रसवोत्तर देखभाल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर माँ और सास दोनों मिलकर इस दायित्व को निभाएँ, तो महिला को दोगुना सहयोग मिलेगा। यह स्थिति न केवल प्रसूता महिला के लिए बेहतर होगी बल्कि शिशु के लिए भी अधिक लाभकारी होगी। इसके अलावा, परिवार के भीतर रिस्तेों की मिठास और विश्वास भी बढ़ेगा।

समाज को भी यह समझना होगा कि प्रसव जैसे समय में महिला को सिर्फ शारीरिक मदद ही नहीं बल्कि मानसिक सहारा और भावनात्मक सहयोग भी चाहिए। अगर महिला को लगे कि उसकी सास भी उसके दर्द और जरूरतों को समझती है, तो उसका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। इसी तरह, अगर सास-बहू के बीच संवाद और विश्वास का रिश्ता मजबूत हो, तो देखभाल का संतुलन अपने आप स्थापित हो जाएगा।

आज जब स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं की पहुँच बढ़ रही है, तब परिवार की

भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अस्पताल और डॉक्टर अपना काम कर सकते हैं, लेकिन प्रसवोत्तर देखभाल का असली दायित्व घर और परिवार पर ही रहता है। परिवार के भीतर यह जिम्मेदारी अगर संतुलित ढंग से बाँटी जाए तो इसका लाभ सीधा माँ और शिशु दोनों को मिलेगा।

इसलिए यह आवश्यक है कि इस विषय पर जागरूकता बढ़ाई जाए। परिवारों को समझाया जाए कि प्रसवोत्तर देखभाल किसी प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं है-यह माँ बनाम सास की लड़ाई नहीं है। बल्कि यह माँ और सास दोनों का संयुक्त दायित्व है। दोनों का दोगुना सहयोग मिलेगा। प्रसूता महिला को वह सुरक्षा प्रदान कर सकता है, जिसकी उसे सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

'सास से ज्यादा माँ की देखभाल बेहतर' यह शीर्षक समाज में एक बदलते रूझान का दर्पण है। यह रूझान बताता है कि प्रसव जैसे संवेदनशील समय में महिला अपनी असली माँ को ज्यादा भरोसेमंद और सहयोगी मानती है। लेकिन आदर्श स्थिति वही होगी जब सास और माँ दोनों मिलकर यह जिम्मेदारी निभाएँ। यह न केवल प्रसूता महिला के स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए अच्छा होगा, बल्कि शिशु की परवरिश और पारिवारिक रिस्तेों के सामंजस्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। आखिरकार, स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु ही स्वस्थ समाज की नींव रखते हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)



संजीव ठाकुर लेखक व चिंतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने एक नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त की है। आज भारत केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक सशक्त और निर्णायक आवाज बनकर उभरा है। मोदी जी की सरकार ने 'पड़ोसी पहले' की नीति से लेकर 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार तक, विश्व को भारतीय दृष्टिकोण से जोड़ने का प्रयास किया है। जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी ने भारत की कूटनीतिक शक्ति और आयोजन क्षमता को सिद्ध किया। वहीं, अमेरिका, रूस, फ्रांस और जापान जैसे देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी गहरी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की सक्रिय भूमिका, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और ऊर्जा सुरक्षा से लेकर तकनीकी सहयोग तक भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से सामने रखती है।

लोकप्रियता में विश्व के शीर्ष पर मोदी जी - भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आज केवल

वैश्विक लोकप्रियता के शीर्ष पर प्रधानमंत्री: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सफल विदेश नीति, बढ़ता वैश्विक प्रभाव

भारत के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते हैं। अनेक वैश्विक सव्हेक्षणों में उन्हें लगातार नंबर एक स्थान मिलना इस बात का प्रमाण है कि उनकी छवि सीमाओं से परे जाकर विश्वजन तक पहुँची है। मोदी की लोकप्रियता का रहस्य केवल उनकी सशक्त नीतियों में नहीं, बल्कि उनके जन-संपर्क कौशल और सशक्त नेतृत्व में निहित है। अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया और जापान से लेकर खाड़ी देशों तक, जहाँ भी मोदी जाते हैं, भारतीय प्रवासी ही नहीं, स्थानीय नागरिक भी उन्हें उत्साह से स्वागत करते हैं।

विदेश नीति हमेशा चर्चा में रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इसकी दिशा और धारा बदल गई है। अब भारत केवल दूर का दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला देश बन गया है। यही वजह है कि मोदी सरकार की विदेश नीति को अक्सर 'बहु-संतुलन' (मल्टी एलाइनमेंट)कहा जाता है।

पड़ोसियों से रिस्ते की पहल -

मोदी जी ने 2014 में शपथ लेते ही सभी शार्क देशों के प्रमुखों को आमंत्रित कर पड़ोस को प्राथमिकता दी थी और बहुत ही सौहार्दता पूर्वक रिश्ता बनाने की पहल की थी। बांग्लादेश के साथ भूमि सीमा समझौता, नेपाल में राहत कार्य और श्रीलंका-मालदीव से रिस्तेों की मजबूती ने भारत की छवि को निखारा। 1947 में स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान के साथ रिस्ते जरूर तनावपूर्ण रहे हैं, पाकिस्तान अपनी आतंकवादी गतिविधियों से बाज नहीं आने के कारण भारत के हमेशा निशाने पर रहा है और अनेक युद्ध हारने के बाद भी वह आतंकवादियों को लगातार वित्तीय पोषण कर रहा है

लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर भारत ने उसे वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने में सफलता पाई और संयुक्त राष्ट्र संघ के कई मंचों पर भारत ने पाकिस्तान को फटकार लगाई है इसके अलावा उसकी आतंकवादी गतिविधियों को पूरे विश्व के सामने उजागर भी कर दिया है।

अमेरिका, रूस चीन और पश्चिम देशों से बराबरी के रिस्ते -

मोदी की विदेश नीति का सबसे अहम पहलू यह है कि भारत ने हर ध्रुव से संबंध मजबूत किए। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी और क्राइ रूस से ऊर्जा और हथियार सहयोग। यूरोप, खासकर फ्रांस के साथ रक्षा सहयोग यानी भारत ने संतुलन बनाए रखा और किसी एक खेमे पर निर्भर नहीं रहा। नाटो के देशों के राष्ट्र प्रमुखों से भारत के प्रधानमंत्री के रिस्ते काफी मजबूत एवं दोस्ताना है, इसराइल फ्रांस कनाडा ब्रिटेन इटली भारत को अपना सच्चा हितैषी और अभिन्न मित्र मानते हैं यह मोदी जी की कूटनीतिक बड़ी सफलता है।

चीन से रिस्ते किंतु सतर्क भारत -

चीन के साथ व्यापार तो बढ़ा, लेकिन डोकलाम और गलवान जैसी घटनाओं ने रिस्तेों को कठिन बनाया। इसके जवाब में भारत ने क्राइ और इंडो-पैसिफिक रणनीति के जरिए चीन को संतुलित करने की कोशिश की।

2023 में दिल्ली में हुए G20 शिखर सम्मेलन ने भारत की कूटनीति को नई ऊँचाई दी। अफ्रीकी संघ को G20 का स्थायी सदस्य बनवाने में भारत की पहल को दुनिया भर में सराहा गया। यह संदेश साफ था कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि विकासशील देशों के लिए भी नेतृत्व कर रहा है।

अमेरिका में मैडिसन स्क्वायर गार्डन 'हाउडी मोदी' जैसे कार्यक्रमों ने प्रवासी भारतीयों को गर्व का अहसास कराया। योग और आयुर्वेद को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाना भारत की सांस्कृतिक ताकत को दर्शाता है।

भारत के सामने चुनौतियाँ अभी बाकी है भारत की विदेश नीति कई मायनों में सफल रही है। चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की महत्वपूर्ण मीटिंग में भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी ने चीन के राष्ट्रपति से जिनिफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ जो गठबंधन किया है उससे विदेश नीति में एक नए युग का सूत्रपात हुआ है उससे यह तो स्पष्ट हो गया है कि भारत चीन और रूस यदि एक साथ हो जाए तो अमेरिका तथा नाटो देश इन्हें चुनौती दे सकते हैं। इसके बावजूद मैं भविष्य में चुनौतियों भी कम नहीं हैं चीन के साथ सीमा विवाद अभी भी है हालांकि इसका प्रभाव काफी कम हुआ है किंतु पाकिस्तान की ज्विद और अमेरिका को पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को अपने पक्ष में करने से दक्षिण एशिया में तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। पड़ोसी देशों में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए चिंता का कारण है। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति ने भारत की छवि को स्पष्ट एवं पारदर्शी बनाकर वैश्विक देशों को अपनी ओर आकर्षित किया है। अब भारत विश्व गुरु और आर्थिक सामरिक तथा वैज्ञानिक वैश्विक शक्ति दोनों के रूप में उभर रहा है। दुनिया का कोई भी बड़ा फैसला भारत की भागीदारी के बिना पूरा नहीं हो सकता है। यही मोदी जी की सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई धूमधाम से



खबरों की दुनिया

निवाड़ी। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय निवाड़ी में विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। जिसको लेकर भगवान विश्वकर्माजी की

पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विनीता मीणा व रुचि सिरौठा ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर संस्थान के समस्त अधिका्री एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को कैरियर, शिक्षा व भारतीय संस्कृति के बारे में किया जागरूक

खबरों की दुनिया

निवाड़ी। डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय में कैरियर कार्डसिल के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक के कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के पीआरओ डा. तनुज सैंगर ने बताया कि विश्वविद्यालय में टोंक के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को कैरियर, शिक्षा व भारतीय संस्कृति के बारे में जागरूक किया जाता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य में शिक्षा संबंधी परेशानियों को आसानी से दूर करने की प्रतिभा जागरूक होती है। कार्यक्रम में एडमिशन विभाग के प्रमुख आकाश सारस्वत द्वारा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का भ्रमण कराया एवं प्रत्येक संचालित

विभागों की गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो-प्रेसिडेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. धीरज पांडे, आईटी विभागाध्यक्ष अनुज तिवारी, डीन डॉ. जेपी दूवे, अनुपयुक्त विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विद्या नायर, एडमिशन विभाग के भागचंद शर्मा, हरीश गौतम, कमलेश, कल्पना यादव, मजरह व धोलुराम सहित सभी कर्मचारी व अधिकारी मौजूद थे।



खबरों की दुनिया

एक नज़र

अग्रसेन महोत्सव का खेलकूद प्रतियोगिता से हुआ शुभारंभ, पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम को लेकर दी जानकारी

खबरों की दुनिया

टोंक। श्रीअग्रवाल समाज टोंक की मीटिंग बुधवार को राजेंद्र गोयल की अध्यक्षता में होटल राज मिडवे पर आयोजित की गई। जिसमे कार्यक्रम सयोजक राजीव बंसल ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमे गुरुवार से कार्यक्रम शुरुआत होकर श्रीअग्रसेन जयन्ती सोमवार तक चलेंगे। महामंत्री सुनील जैन ने बताया कि गुरुवार को कैरम व बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। 19/09/25 को क्रिकेट, 20/09/25 को नृत्य प्रतियोगिता, 21/09/25 को दिन में बाल मेले का आयोजन व महिलाओं को प्रतियोगिता और शाम को प्रतिभा सम्मान समारोह सहित यह सभी कार्यक्रम होटल राज

स्काउट के तृतीय सोपान में आठ गाइड व पांच स्काउट उत्तीर्ण, सभी का किया सम्मान



खबरों की दुनिया

देवली। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय चित्तौड़गढ़ में आयोजित तृतीय सोपान जांच शिविर में देवली केंद्रीय विद्यालय के आठ गाइड व पांच स्काउट उत्तीर्ण हुए। आज प्रार्थना सभा में सभी उत्तीर्ण गाइड व स्काउट का प्रिंसिपल नवल्ल मित्तल ने प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। मुख्याध्यापक डीआर मीना ने बताया कि शिक्षक रोशन

सुरेंद्र पाल सिंह की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 41 यूनिट रक्त संग्रहित



खबरों की दुनिया

देवली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत श्रीजल समाज विकास समिति देवली के तत्वावधान में स्वर्गीय सुरेंद्र पाल सिंह चौधरी की सातवीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर गुरुवार को सम्पन्न हुआ। स्वर्गीय चौधरी के पुत्र लोकेन्द्र चौधरी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष नमीचंद जैन ने स्वर्गीय चौधरी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर किया। पालिका के अधिशासी अधिकारी

देवली के आदर्श आयुर्वेद नर्सिंग इंस्टीट्यूट में प्रवेश शुरू



खबरों की दुनिया

देवली। शहर के जयपुर रोड स्थित आदर्श आयुर्वेद (आईपीएस स्कूल) नर्सिंग इंस्टीट्यूट में डिप्लोमा इन आयुर्वेद नर्सिंग एंड फार्मेसी (डीएएन एंड पी) कोर्स के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। निदेशक मोहित मंगल ने बताया कि यह कोर्स छई साल की अवधि का है, जिसमें 6 महीने की इंटरनशिप

ग्रामीण सेवा शिविर 2025: शिविरों में हुए लोगों के काम, चेहरे पर आई खुशी

खबरों की दुनिया

टोंक। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के पहल पर आयोजित किये जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तार हो रहा है। इसके साथ ही कैम्पों के जरिये पात्र लोगों को सरकारी की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जा रहा है।

शिविर में राजस्व रिकार्ड में अशुद्ध नाम को किया शुद्ध

ग्रामीण सेवा शिविर में ग्राम लाम्बा में आयोजित कैम्प के दौरान प्रार्थी दुर्गाशंकर ने बताया कि जमाबन्दी में दुर्गाशंकर के बजाय नृटिवश दुर्गालाल हो गया था। परिवानी ने अपने सभी दस्तावेज अनुसार शिविर प्रभारी तहसीलदार द्वारा पटवारी से रिपोर्ट लेकर अशुद्ध नाम दुर्गालाल को शुद्ध नाम दुर्गाशंकर में



बदल कर दुरुस्त किया। इस प्रकार दुर्गाशंकर को मौके पर ही नाम शुद्ध किया जाकर राहत प्रदान की गई।

हजारी लाल गुर्जर की जाति कुम्हार को मौके पर ही किया गुर्जर

ग्राम श्रीरामपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प में प्रार्थी हजारी लाल गुर्जर द्वारा आवेदन

किया कि जमाबन्दी में जाति गुर्जर की जगह कुम्हार जो की गलत है दर्ज हो रही है। जिस पर पटवारी श्रीरामपुरा ने दस्तोवेजो के आधार पर नायब तहसीलदार दतवास द्वारा जाति कुम्हार की जगह गुर्जर दर्ज करने के आदेश दिए। इससे मौके पर राजस्व रिकार्ड में नाम सही किया गया। परिवानी ने मौके पर ही

जाति दुरुस्त होने पर राहत महसूस की। उसने खुशी जाहिर करते हुए राजस्थान सरकार तथा राजस्व विभाग को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में ममता रैगर को अन्तिम किश्त मिलने से घर सपना हुआ साकार

ग्राम दाखिया में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प में परिवानी

ममता रैगर पत्नी पप्पू लाल रैगर को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत शिविर में आवेदन कर समय पर तीसरी किश्त पास होने पर परिवानी के आवास निर्माण में सहायता प्रदान की। लाभार्थी ममता रैगर ने आवास निर्माण की अन्तिम किश्त के पास होने पर सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही कह

कि अब उसके खुद के घर का सपना साकार होगा।

निर्मल कुमार कीर पट्टा मिलने पर हुआ उत्साहित

ग्राम पंचायत हिसामपुर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प की जानकारी निर्मल कुमार कीर को मिली तो वह अपने मकान का पट्टा बनवाने के लिए शिविर में पहुंचा। जहां ग्राम पंचायत कार्यालय में आवश्यक दस्तावेज जमा करवाये। ग्राम पंचायत द्वारा त्वरित कार्यवाही कर निर्मल कुमार कीर को मौके पर ही उपखण्ड अधिकारी देवली द्वारा प्रार्थी को पट्टा वितरण किया गया। निर्मल कुमार कीर द्वारा बताया कि पट्टा बनने से मकान का मालिकाना हक प्राप्त होने पर काफी उत्साहित हूं। उसने कहा की ऐसे शिविर लगने चाहिए जिससे जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचे और सरकार का धन्यवाद दिया।

सुरक्षा अपने हाथों में शक्ति अपने साथ का दिया मंत्र

खबरों की दुनिया

देवली। राजकीय महाविद्यालय देवली में महिला प्रकोष्ठ एवं रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के 13 वें दिन राजस्थान पुलिस टोंक की हेड कांस्टेबल अंजना चौधरी, हेमराज, कांस्टेबल बीना चौधरी एवं आशा तथा देवली थाने की कालिका पेटोलिंग यूनिट की महिला कांस्टेबल रंजिया बानो एवं गायत्री चौधरी की पूरी टीम ने छात्रों को आत्मरक्षा तकनीक की बारीकियां से प्रशिक्षित किया गया।

गत दिवसों के प्रशिक्षण का पुनरावलोकन किया गया तथा हैंड मुवमेंट, कैट स्टान्स तकनीक का प्रशिक्षण, कैट स्टान्स तकनीक का प्रशिक्षण, दिया, जिससे छात्राएं हमलावर के वार को परास्त करने के साथ स्वयं के भी नाक, आंख,



मुंह जैसे नाजुक अंगों पर किए जाने वाले वार से अपनी रक्षा कर सकती हैं। इन तकनीक की मदद से लड़कियां मनचलों को सबक सिखा सकती हैं एवं स्वयं की रक्षा कर सकती हैं।

प्राचार्य प्रो. डॉ. पूरणमल वर्मा ने कहा कि सुरक्षा अपने हाथों में शक्ति अपने साथ। कार्यक्रम का संचालन रानी लक्ष्मी बाई

आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र नोडल प्रभारी डॉ. ज्योति गुप्ता एवं सदस्य डॉ. वंदना यादव ने किया। साथ ही 'मार्केट का एकलव्य' विषय पर प्राचार्य के निर्देशन में एकदिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन भी किया गया। यह आयोजन एस वी वेल्थ पार्टनर व महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कृषि मंडी को गोण मंडी या विशिष्ट मंडी बनाने की मांग

देवली। व्यापार महासंघ देवली के अध्यक्ष पंकज जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र गुर्जर को ज्ञापन सौंप कर पुरानी कृषि मंडी को गोण मंडी या विशिष्ट मंडी का दर्जा दिलवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि देवली शहर में स्थित कृषि मंडी व्यापारियों के जीविकोपार्जन का मुख्य जरिया थी, इसे पूर्व सरकार ने शहर से बाहर 7 किलोमीटर दूर स्थानांतरित कर दिया है जिससे शहर का व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है एवं छोटे एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारी भारी परेशानी भुगतते हुए पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। व्यापारियों ने कहा कि जनहित में वर्तमान कृषि उपज मंडी को विशिष्ट श्रेणी का दर्जा देकर पुन चालु करवाने का आदेश दिलवाए ताकि व्यापारियों एवं उनके परिजनों को राहत मिल सके।

नेटबाल की विजेता छात्राओं का विद्यालय में किया सम्मान



खबरों की दुनिया

देवली। राउमावि विद्यालय रतनपुरा में तीनों आयु वर्ग नेटबॉल में जीतकर आई छात्राओं का सम्मान किया गया। सम्मान के पश्चात गांव में डोजे की धुन एवं देशभक्ति गानों के साथ विजय जुलूस निकाला गया। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने छात्राओं का, शालाप्रधान राम प्रसाद मीणा, टीम कोच पुरुषोत्तम वैष्णव, टीम प्रभारी भंवर

लाल धाकड़, कुंदन वर्मा, रीटा मीना एवं शाला स्टाफ का भी सम्मान किया।

विजय जुलूस सीतारामजी महाराज मंदिर, बालाजी मंदिर होते हुए वापस विद्यालय पहुंचकर विस्जर्जित हुआ। इस मौके पर समाजसेवी धन सिंह धाकड़, अमरजीत धाकड़, गोपाल धाकड़, रामलाल धाकड़, बिरधीचंद धाकड़, एसएससी सदस्य, शालास्टाफ एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

वर्षों बाद खातेदारी जमीन का बंटवारा राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर सुआ लाल को मिली राहत

खबरों की दुनिया

बनेटा। सूखड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थित बुधवार को अटल सेवा केन्द्र में प्रशासक सांवर मल गुर्जर की अध्यक्षता मे ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किया गया जिसमे ग्रामीणों की कई समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। शिविर के दौरान उनीयारा एसडीएम शत्रुघ्न सिंह गुर्जर, विकास अधिकारी शंकर लाल मेघवाल एवं नायब तहसीलदार पूजा मीणा की समझाइश एवं तत्काल मौके पर ही राजस्व विभाग द्वारा वर्षों से सह खातेदारी भूमि का बंटवारा कर देने से सूखड़ा निवासी सुवा लाल गुर्जर पुत्र घासी लाल गुर्जर को खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वर्षों बाद खातेदारी भूमि का राजस्व रिकार्ड में बंटवारा होने से सुवा लाल को राहत मिली है। राजस्व रिकार्ड में वह बंटवारा दर्ज



करवाने के लिए काफी वर्षों से चक्कर काट रहा था मगर अड़चन आने के कारण रिकार्ड में बंटवारा नहीं हो पा रहा था शिविर में राजस्व टीम द्वारा खातेदारी भूमि का बंटवारा करने का रिकार्ड इंजाज करने पर सुवालाल गुर्जर फूले नहीं समा रहा था। ग्रामीण सुवालाल गुर्जर निवासी

सूखड़ा ने बताया कि वह सह खातेदारी की भूमि का बंटवारा हम खातेदारों ने कर रखा था किन्तु राजस्व रिकार्ड में करवाने हेतु काफी प्रयास किया।

हमारे सह खातेदारों के मध्य सहमति नहीं होने से हमे काफी समस्याओं का सामना करना पड

रहा था। शिविर के दौरान शिविर प्रभारी एसडीएम शत्रुघ्न सिंह गुर्जर, नायब तहसीलदार पूजा मीणा, विकास अधिकारी शंकर लाल मेघवाल, प्रशासक सूखड़ा सांवरमल गुर्जर एवं राजस्व टीम द्वारा समझाने पर हम सहमत हुए एवं हमारी भूमि का बंटवारा मौके पर ही कर दिया गया। काफी समय बाद हमारा बंटवारा होने पर हम सभी काफी खुश है।

एसडीएम शत्रुघ्न सिंह गुर्जर ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन मे कोटाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शिविर मे सभी विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे बैठकर आपकी समस्याओं का निराकरण कर रहे है।

शिविर के दौरान राजस्व विभाग,

ग्रामीण सेवा शिविर आज और कल सितम्बर को यहां लगेंगे

खबरों की दुनिया

टोंक। ग्रामीण सेवा शिविर-2025 के तहत आज उपखंड टोंक की ग्राम पंचायत छान व भरनी, पीपलू में लोहरवाड़ा व बनवाड़ा, उपखंड निवाई में दतवास व हिंगोनिया बुजुर्ग, मालपुरा में आवडा व मोरला, देवली में बडोली व धुआंकला, उनीयारा में आमली व मोहम्मदगढ, एवं टोडारयसिंह की ग्राम पंचायत संवारिया व दतोब में शिविर आयोजित होंगे। इसी तरह शनिवार 20 सितंबर को उपखंड टोंक की ग्राम पंचायत सांखना व ताखोली, पीपलू में रानोली व कठमाण्डा, उपखंड निवाई में तुर्किया व करेडा बुजुर्ग, मालपुरा में बागडी व कचौलिया, देवली में हिसामपुर व जुनिया, उनीयारा में हैदरीपुरा व बनेडा एवं टोडारयसिंह की ग्राम पंचायत मांदोलाई व भांवता में शिविर लगाएं जाएंगे।

खबरों की दुनिया

एक नजर

राजफेड की समीक्षा बैठक

आवश्यकता के अनुरूप खरीद केन्द्रों की संख्या में की जाए वृद्धि : गौतम दक



खबरों की दुनिया

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि खरीफ-2025 सीजन में समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत आगामी दलहन-तिलहन खरीद के लिए अभी से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आवश्यकता के अनुरूप खरीद केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की जाए, जिससे किसानों को

अपना माल तुलवाने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। दक गुरुवार को राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ (राजफेड) कार्यालय में संस्था से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राजफेड अधिकारियों की निर्देश दिए कि मूंग, मूंगफली, उड़द और सोयाबीन खरीद की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से शुरू करने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए।

शहरी सेवा शिविर

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहरी सेवा शिविर के तहत मानसरोवर जोन में आयोजित शिविर का किया निरीक्षण



आयुक्त ने शिविरों में आ रहे आमजन के लिए पर्याप्त छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था कार्य के दिये निर्देश

खबरों की दुनिया

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत गुरुवार को मानसरोवर जोन के पत्रकार रोड स्थित आनंद महल मैरिज गार्डन में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने

अधिकारियों को शिविर में आ रहे आमजन के लिए छाया, पानी व बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही आमजन के साथ संवाद करते हुए फीडबैक भी लिया। शिविर में आए हुए कई लाभार्थियों ने व्यवस्थाओं को सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद भी दिया। आयुक्त ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि योजना के तहत 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये का चैक लाभार्थियों को प्रदान किया।

पीएम-सीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण वितरित किए



जयपुर(खबरों की दुनिया)। गुरुवार को नगर निगम ग्रेटर जयपुर के द्वारा शहरी सेवा शिविर का आयोजन आनंद महल मैरिज गार्डन, पत्रकार रोड मानसरोवर में किया गया। जिसमें सभी सरकारी विभागों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस शिविर में डॉ. गौरव सैनी (आईएसएस) कमीशनर जयपुर नगर निगम ग्रेटर ने इंडियन ओवरसीज बैंक मानसरोवर शाखा के द्वारा स्वीकृत किए गए पीएम स्वनिधि व सीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को ऋण के चैक सौंपे। उनके साथ प्रशांत चौधरी प्रबंधक इंडियन ओवरसीज बैंक उपस्थित रहे व लाभार्थियों को ऋण वितरित किए।

विशेष प्रशिक्षण

साथीन व पर्यवेक्षक देंगी महिलाओं और बच्चों को सभी कानूनी अधिकारों की जानकारी



खबरों की दुनिया

जयपुर। राज्य की साथीनों और पर्यवेक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे महिलाओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दें और उन अधिकारों की रक्षा और योजनाओं का लाभ उठाने में उनकी मदद कर सकें। प्रथम चरण में महिला अधिकारिता निदेशालय ने सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीएफएआर) के सहयोग से अजमेर, भीलवाड़ा, बारां और नागौर जिलों की 28 साथीनों और पर्यवेक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया है। यह प्रशिक्षण चार नियोजित प्रशिक्षण सत्रों में से पहला है, जो विशेष रूप से साथीनों और पर्यवेक्षकों के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। महिला अधिकारिता निदेशालय की अतिरिक्त निदेशक सीमा शर्मा ने बताया कि राज्य में

साथीनों और पर्यवेक्षकों का एक प्रशिक्षित कैडर तैयार किया जा रहा है ताकि वे जेंडर-आधारित हिंसा की रोकथाम की दिशा में बदलाव ला सकें।

इस व्यापक प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य साथीनों को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है ताकि वे मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें और अपने समुदाय में जेंडर-आधारित हिंसा की रोकथाम की क्षमता को और सशक्त बना सकें। इसे हासिल करने के लिए साथीनों की क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि वे हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आवश्यक सहायता सेवाओं से जुड़ कर महिलाओं और बालिकाओं से जुड़ी योजनाओं और सेवाओं के प्रभाव का कर सकें, जेंडर रैसोसिबल बजटिंग की पर्यवेक्षक करें। इससे संसाधनों का आवंटन महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों और प्राथमिकताओं को

पूरा करने के लिए किया जा सकेगा।

इस प्रयास की सफलता अंतर्निहित भागीय समन्वय पर भी निर्भर करती है। पंचायती राज विभाग और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों ने मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ग्राम पंचायत विकास योजना का लाभ उठाने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए योजना उपनिदेशक जी. डी. रामना ने कहा कि इन योजनाओं में जेंडर बजटिंग को एकीकृत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि संसाधनों का न्यायसंगत आवंटन हो सके, महिलाओं और बालिकाओं की जरूरतें पूरी हों, ग्राम सभाओं के निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सके जिससे वे उन्हें अपने समुदायों की विकास प्राथमिकताओं को आगे ले जाने में

अधिक सहायक हो सकें।

प्रदीप कुमार, उप सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) ने नालसा की नई योजनाओं और सेवाओं को समझाते हुए कहा कि निःशुल्क अर्थात् (नालसा) ऐप के माध्यम से और मजबूत किया जा रहा है जिससे जरूरतमंद को कानूनी सहायता आसानी से मिल सके। इसके अतिरिक्त राजस्थान पीडित प्रतिकर योजना सुनिश्चित करती है कि एसिड अटैक पीड़ितों को योजना का लाभ मिल सके। सुजन की सुरक्षा योजना- 2025 में नवजात बालिका को 'ग्रीन कार्ड' दिया जाता है। अवेयरनेस सपोर्ट हेल्थ एक्शन स्टैंडर्ड्स एक ऑपरेटिंग प्रोसीजर है जो महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं की खिलौरी में सुधार लाने के लिए बनाई गई है। इय

प्रोसीजर और बाल-अनुकूल विधिक सेवा योजना की जानकारी भी इस प्रशिक्षण में दी गई है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकथाम से सम्बंधित कानूनों और योजनाओं की व्यापक समझ प्रदान की। कार्यशाला पर अपने विचार साझा करते हुए अजमेर की साथीन उमराव ने कहा कि यह प्रशिक्षण जानकारीपूर्ण था। हमने कई नई बातें सीखीं जो हमारे काम में अमूल्य सिद्ध होंगी। अब मुझे विश्वास है कि मैं कहीं अधिक प्रभावी हो कर अपने समुदाय की महिलाओं और बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में और अधिक सार्थक योगदान प्रदान करूंगी। प्रशिक्षण के अंतिम दिन, साथीनों और पर्यवेक्षकों ने मिलकर एक व्यावहारिक पायलट कार्य योजना तैयार की।

आकाशदीप महाविद्यालय में छात्राओं को दिया आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण

खबरों की दुनिया

जयपुर। आकाशदीप शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय में राजकोप का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें ऑपरेशन गरिमा के तहत सुशीला बेल्ट नंबर 11540 और अनीता बेल्ट नंबर 11475 ने महाविद्यालय की छात्राओं को जयपुर राज. के अतिरिक्त उपयुक्त के मार्ग दर्शन एवं आत्मरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन किया गया और छात्राओं को जागरूक किया गया। छात्राओं को पुलिस हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी गई। नोडल कार्यालय कालका पेट्रोलिंग यूनिट के माध्यम से स्थानीय महाविद्यालय में 450 छात्राओं और 18 व्याख्याताओं को प्रशिक्षित किया गया और सभी को राज कोप सिटीजन ऐप के बारे में जानकारी दी एवं एप को डाउनलोड करवाया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गायत्री बैरवा ने भी छात्राओं को जागरूक किया।



‘सेवा पखवाड़ा’ में 25 हजार के लक्ष्य से ज्यादा रक्तदान कर निभाया सामाजिक सरोकार

प्रदेश में एक ही दिन में 27 हजार 629 लोगों ने किया रक्तदान

खबरों की दुनिया

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितम्बर से शुभारम्भ किये गए सेवा पखवाड़ा के तहत प्रथम दिन आयोजित रक्तदान शिविरों में राजस्थान ने लक्ष्य से अधिक रक्त एकत्र कर मिसाल कायम की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित रक्तदान शिविरों में 25 हजार यूनिट के लक्ष्य के विरुद्ध एक ही दिन में लोगों ने 27 हजार 629 यूनिट रक्तदान कर जीवन रक्षा की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दिया है। सबसे अधिक बीकानेर संभाग में 6 हजार 539 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर के



निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविरों के साथ-साथ रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। इन स्वास्थ्य शिविरों में लाखों लोगों ने न केवल निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं का लाभ लिया, बल्कि रक्तदान शिविरों में बढ़चढ़ कर रक्तदान करते हुए सामाजिक सरोकारों को निभाया और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

एनीमिया स्क्रीनिंग में भी राजस्थान अक्वल

राठौड़ ने बताया कि 17 सितम्बर से ही संचालित स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविरों में जनसंख्या के अनुपात में एनीमिया स्क्रीनिंग में राजस्थान पहले स्थान पर रहा है। आयोजित हुए स्वास्थ्य शिविरों में 50 हजार 75 किशोर-किशोरियों सहित अन्य की एनीमिया स्क्रीनिंग की गयी। प्रदेश के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में महिलाओं एवं किशोरियों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की जांच और कैंसर जैसी बीमारियों की शुरुआती पहचान, एनीमिया स्क्रीनिंग, टीबी, सिकल सेल की जांच, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों के लिपटीकाकरण की सुविधा प्रदान की जा रही है।

वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई कर 9 करोड़ 59 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी

फर्जी चालान व ई-वे बिल से आयन स्क्रेप की फर्जी खरीद दिखाई

खबरों की दुनिया

जयपुर। राज्य में बोगस, फेक फर्मी द्वारा की जा रही राजस्व क्षति रोकने के लिए राज्य कर विभाग सतर्क है। विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में इस सम्बंध निरन्तर की जा रही कार्रवाई की कड़ी में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम ने जयपुर स्थित विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया में आयन एवं स्क्रेप का कागजी कारोबार करने वाली दो फर्मी बाबा मेटल्ल्स तथा खण्डेलवाल एण्टरप्राइजेज पर एक साथ सचं और सर्वे की कार्रवाई की। मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर 29 सितम्बर तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। मुख्य आयुक्त ने बताया कि कार्रवाई से

पूर्व विभाग ने जीएसटी पोर्टल पर दोनों फर्मी के खरीद फरोख्त संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया तथा अपने गुप्त स्रोतों से इन फर्मी की व्यापारिक गतिविधियों की सूचना जुटाई। इस दौरान पाया गया कि दोनों फर्मी का संचालन मास्टरमाइंड महेंद्र खण्डेलवाल द्वारा किया जा रहा है। विभागीय जांच में स्पष्ट हुआ कि महेंद्र खण्डेलवाल द्वारा अपनी दोनों फर्मी में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ 27 लाख रुपये की खरीद दिखाकर 9 करोड़ 59 लाख रुपये की राजस्व हानि की गई है। महेंद्र खण्डेलवाल ने सुनियोजित तरीके से राज्य के बाहर स्थित आयन एवं स्क्रेप के बोगस कारोबारियों से संबंध स्थापित किये तथा दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आगरा स्थित बोगस फर्मी से बिलों की खरीद कर आगत कर (आईटीसी) का अनुचित लाभ लेकर राजस्व की हानि की।